ध्येयIAS®
most trusted since 2003

Updated 2019

इतिहास
(सामान्य अध्ययन)

भारतीय संस्कृति एवं विरासत

(विरासत एवं संरक्षण)

द्वारा

विजय वेद सर

FACE TO FACE CENTRES

MUKHERJEE NAGAR (Head Office) :	A-12/13 ANSAL BUILDING, DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI - 110009, 9205274741/ 42/ 43/ 44
RAJENDRA NAGAR :	25B, SECOND FLOOR, PUSA ROAD NEW DELHI - 9205274743, 9205274745
LAKSHMI NAGAR :	1/53, 3RD FLOOR, LALITA PARK, LAXMI NAGAR, DELHI-92, 011-43012556, (+91)- 9311969232
RESIDENTIAL ACADEMY :	28/1A, KNOWLEDGE PARK III, GREATER NOIDA, UTTAR PRADESH - 201306, PHONE: 092053 36037/38/39
PRAYAGRAJ :	IIND & IIIRD FLOOR, SHRI RAM TOWER, 17C, SARDAR PATEL MARG, CIVIL LINES, ALLAHABAD PH.: 0532-2260189, 08853467068
LUCKNOW- ALIGANJ CENTRE :	A-12, SECTOR-J, ALIGANJ, LUCKNOW PH.: 0522-4025825, 09506256789
LUCKNOW- GOMTI NAGAR CENTRE:	CP-1, JEEWAN SHOPING COMPLEX, VIRAM KHAND-5, NEAR HUSARIYA CHAURAHA, GOMTI NAGAR, LUCKNOW -227106 PHONE: +91 7234000501, 7234000502
BHUBANESWAR :	OEU TOWER, THIRD FLOOR, KIIT ROAD, PATIA, BHUBANESWAR, ODISHA 751024, PH.: +91 9818244644, 7656949029

LIVE STREAMING CENTRES

Ahmedabad	9879113469/8000162499	Jodhpur	9529989199/9928965998
Aligarh	9837877879	Jalandhar	9888777887
Azamgarh	7617077051	Kanpur	7275613962
Bahraich	7275758422	Kurukshetra	8950728524
Bareilly	9917500098	Lucknow Alambagh	7518373333
Chandhigarh	8146199399/9050888338	Ludhiana	9876218943/9888178344
Faridabad	9711394350	Moradabad	9927622221
Gorakhpur	7080847474	Patiala	9041030070
Gwalior	9893481642	Patna	9334100961
Haldwani	8077728957/7060172525	Rewa	9926207755
Hisar	9996887708	Varanasi	7408098888
Jabalpur	8982082023		

प्रश्न संख्या Question No.

ध्येयIAS® most trusted since 2003

इस भाग में कुछ न लिखें (Dont write anything in this margin)

विरासत एवं संरक्षण

- आशय
- विरासतों का वर्गीकरण
  - सांस्कृतिक विरासत
    - मूर्त विरासत
    - अमूर्त विरासत
  - प्राकृतिक विरासत
  - डिजिटल विरासत
- संरक्षण की रणनीति
  - वैश्विक
  - भारतीय (राष्ट्रीय)
- विरासत संरक्षण का महत्व

विरासत से आशय

प्रकृति द्वारा निर्मित अनोखे परितंत्र एवं मानव द्वारा विशेष कला एवं कौशल से निर्मित सांस्कृतिक तत्व (कलाए, साहित्य, विचार, ज्ञान, विज्ञान) विरासत कहलाते है।

विरासत चाहे प्राकृतिक हो या सांस्कृतिक ये हजारो लाखों वर्षो के विकास का प्रतिफल होते है अत: यह मानव के लिए धरोहर होते है। जिनका सामुहिक महत्व होता है। फलत: इनका संरक्षण एक सामुहिक जिमेदारी है।

विरासतों का वर्गीकरण

विरासतो को तीन भागों मे बांटा जाता है।

→ **1. सास्कृतिक विरासत -:** इसके तहत मानव की विभिन्न पीढ़ियो द्वारा निर्मित कलाए, तकनीके एवं विचार प्रणालियाँ आती है। इसे भी दो भाग मे बाटकर देखा जाता है।

a. मूर्त विरासत -: ऐसी भौतिक विरासते जिन्हे छू छुकर महशूस किया जा सकता है संग्रहण एवं भण्डारण किया जा सकता है। मूर्त सांस्कृतिक विरासत कहलाती है।

जैसे - स्थापत्य संरचनाए (मंदिर, मस्जिद चर्च किले स्तम्भ पिरामिड आदि) मूर्तियाँ चित्रकलाए पाण्डुलिपियां आदि।

b. अमूर्त विरासत -: इसके तहत मानव उपलब्धियो के उन तत्वो को रखा जाता है जिन्हे छुकर महशूस नही किया जा सकता है लेकिन संचित एवं संरक्षित किया जा सकता है।

जैसे- संगित, नृत्य, नाटक, परम्परा, कथाये, मंत्र etc

→ **2. प्राकृतिक विरासत -:** इसके तहत प्रकृति निर्मित विशेष परितंत्र आते है जिसका सौन्दर्यात्मक एव जैव विविधता की दृष्टि से खास मूल्य हो ऐसे स्थलो को जैवमंडल रिजर्व राष्ट्रीय पार्क, अभ्यारण्य आदि के रूप मे घोषित किया जाता है।

→ **3. डिजिटल विरासत -:** 1950-60 के दशक में इजाद की गयी डिजिटल तकनीकों को भी विरासत की श्रेणी में रखा गया है जिसके तहत कम्प्यूटर, डिस्क, फ्लोपी आदि आते है माना जाता है कि इन सूचना तकनीकों ने विश्व में बड़े स्तर पर बदलाव लाने का कार्य किया है। अतः भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह विरासत है।

विरासतों के संरक्षण की रणनीति

1. वैश्विक रणनीति -: यूनेस्को दुनिया भर के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का समस्त मनुष्यों के धरोहर के रूप मे संरक्षण करता है। इसके लिए यूनेस्को ने कुल 10 मानक बनाये है। जिसमें से किसी एक के पूरा होने पर भी उन्हे विरासत की सूची मे शामिल कर लिया जाता है। यूनेस्को की सूची में भी भारत के अनेक प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासतों को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है।

2. भारतीय रणनीति / राष्ट्रीय रणनीति -: भारत अपने विरासतों के संरक्षण के लिए अनेक स्तरों पर कार्य करता है। मुख्य रूप से इसके लिए त्रिस्तरीय रणनीति अपनायी गयी है। जैसे-

a. **संवैधानिक उपाय** - Article - 48(a), Article - 51 स्पेशल उपबन्ध

b. **गैर- संवैधानिक उपाय** - ब्रिटीश भारत के काल से लेकर वर्तमान तक समय समय पर विरासतों के संरक्षण के लिए अनेक कानून आते रहे है। जिसमें निम्न महत्वपूर्ण है।

(i) इण्डियन ट्रीजर ट्रोव एक्ट → लिटन
(Indian Treaser Trove Act 1878)

(ii) प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904 - कर्जन

(iii) एन्टी क्वीटिज एक्सपोर्ट कंट्रोल एक्ट - 1947

(iv) प्राचीन ऐतिहासिक स्मारक एवं पुरा अवशेष अधिनियम - 1951
↳ हाल ही मे 2013 मे इस एक्ट में संशोधन किया गया है।

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

3 C. **संस्थागत उपाय** - ब्रिटिश काल से ही भारत में अनेक संस्थाएं कार्यरत है जो विरासतों के संरक्षण में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।-

1. **आर्केलॉजिकल सर्वे आफ इण्डिया (ASI)** - 1861 में लार्ड कैनिंग के काल में स्थापना (प्रथम डायरेक्टर जनरल)
   ↓ Head quater - Delhi   ↓ कनिंघम
2. **भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार** (Indian National Archives)
   ↓ 1926 - New Delhi
3. भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद - 1950 - New Delhi
4. संगीत नाट्य एकेडमी - 1951 - New Delhi
5. ललित कला एकेडमी - New Delhi
6. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र - New Delhi
7. National School of Drama - New Delhi
8. साहित्य एकेडमी - New Delhi
9. केन्द्रीय बौद्ध संस्थान - लद्दाख (J&K)
10. राष्ट्रीय पुस्तकालय - कोलकाता
11. रामकृष्ण संस्थान - कोलकाता
12. मौलाना अब्दुल कलाम इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज - कोलकाता

विरासत संरक्षण का महत्व

विरासतों का संरक्षण अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। जैसे -

① प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से जैव विविधता का संरक्षण होता है। भारत प्राकृतिक

ध्येयIAS® most trusted since 2003

इस भाग में कुछ न लिखें (Dont write anything in this margin)

89

विरासतों के मामले में समृद्ध देश है प्रकृति ने भारत की अनेक वन, उपवन, नदी घाटियाँ पर्वत चोटियां तथा अनोखे जीव जन्तु दिये है अतः इनके संरक्षण से प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है इससे विदेशी मुद्रा एवं रोजगार सृजन को बल मिलता है। आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

भारत सांस्कृतिक विरासत के मामले में भी धनी देश है आ हमारे पूर्वजों ने अनेक कलात्मक एवं ज्ञान विज्ञान के कृतियो का निर्माण किया है ये विरासते हमारी पहचान निर्धारण करती है इनके संरक्षण से इतिहास समाज एवं संस्कृति को समझने मे मदद मिलती है।

विरासतों के संरक्षण से सहिष्णुता के मूल्यो के प्रति सम्मान पैदा होता है विरासते इसे मिलजुलकर रहने तथा सभी परम्पराओं का सम्मान करने का गुण सिखाती है। यह हमारे धर्मनिरपेक्षता बहुलतावाद तथा विविधता की प्रतीक होती है।

यूनेस्कों की सूची मे शामिल भारतीय विरासतें

Total - 35

- Natural (8)
- Cultural (29)
- mixed (1)

यूनेस्को सूची की भारतीय प्राकृतिक विरासतें

1. काजीरंगा N.P.	असम, ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे	एक सिंग का गैंडा
2. मनस B.S.R.	असम, मानस नदी के किनारे भूटान की सीमा से लगा हुआ (भूटान मे भी मनस रिजर्व है) यह कुछ विशेष प्रजातियों के लिए प्रसिद्ध है।	सुनहरा लंगूर, पिग्मी हॉग, चितीदार तेंदुआ जंगली भैसा, गैंडा बंगाल फ्लोरिकन (Bird)
3. केवलादेव N.P.	भरतपुर, राजस्थान - यह विदेशी प्रजातियों के पक्षियों का शरण स्थली है। रामसर स्थल भी है।	
4. नंदादेवी (फूलोंकी घाटी)	चमौली जिला, उत्तराखण्ड (जास्कर श्रेणी)	काला भालू, भूराभालू, हिम तेंदुआ, नीली भेड़
5. सुन्दरवन N.P.	पश्चिम बंगाल - सबसे बड़ा मैंग्रोव क्षेत्र है, यह Bio Reserve क्षेत्र है।	बंगाल टाइगर, खारे पानी के मगरमच्छ
6. पश्चिमी घाट (2010)	Bio-diversity Hot spot (World Total-35) भारत के चार राज्यों मे फैला, केरला, कर्नाटक महाराष्ट्र, तमिलनाडु	
7. Great Himalayan	- कुल्लू, हिमांचल प्रदेश	अल्पाइन वृक्ष, हिम तेंदुआ
8. कंचनजंघा	सिक्किम	

सांस्कृतिक विरासत की सूची (मूर्त)

1. हुमायूँ का मकबरा - नई दिल्ली - हमीदा बानो बेगम द्वारा

[1569-70]

- इसके प्रमुख वास्तुकार मिर्जा गियाथ थे।
- यह चारबाग शैली निर्मित इमारत है [फुलपती फव्वारा]
- यह अष्टकोणीय मकबरा है जिसमें दोहरे गुम्बदों पत्थर की छतरियों का प्रयोग किया गया है। लाल बलुआ पत्थर, संगमरमर तथा फारसी रंगीन टाइल्सों का प्रयोग है इसे ताजमहल का पूर्वगामी कहा जाता है।

2. लालकिला -: लाल बलुआ पत्थर से निर्मित 1628-58 के बीच शाहजहाँ द्वारा अन्दर की इमारतें

(a) दीवान-ए-आम
(b) दीवान-ए-खास
(c) शीशमहल
(d) नहर-ए-बिहिश्त
} सभी शाहजहां द्वारा निर्मित

(e) मोती मस्जिद - औरंगजेब

3. कुतुबमीनार कॉम्प्लेक्स -/ मुख्य इमारतें

महरौली का लौह स्तम्भ - • चन्द्रगुप्त II द्वारा निर्मित इसपर गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि एवं संस्कृत भाषा का लेख है।

सैकड़ो वर्षों से बिना जंग लगे खड़ा था जो उच्चस्तरीय रासायनिक एवं लौह प्रौद्योगिकी के ज्ञान का प्रतीक है।

कुतुबमीनार - कुतुबुद्दीन ऐबक ने नींव रखी, इल्तुतमीश ने पूरा कराया। अलाउद्दीन खिलजी तथा फिरोजशाह तुगलक ने भी सहयोग दिया फिरोजशाह तुगलक के समय बिजली के गिरने से चौथी मंजिल ध्वस्त हो गयी थी जिसे तोड़कर 2 मंजिल और बना दिये है। यह लाल बलुआ पत्थर से बना है। इसके बाहरी भाग पर अरबी मे कुरान की आयते खोदी गयी है जो बेहतरीन सुलेखन कला का उदाहरण है।

कुतुब-उल-इस्लाम मस्जिद -: कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा निर्मित यह पूर्व मे जैन मंदिर था। यह हिन्दू तथा मुस्लिम दोनो प्रभाव को दर्शाता है।

अलाई-दरवाजा - निर्माण- अलाउद्दीन खिलजी लाल बलुआ पत्थर से बना है। यह सल्तनत की प्रथम स्थापत्य है जिसमे वैज्ञानिक गुम्बद का प्रयोग हुआ है।

3. महाबोधि मंदिर - बोधगया बिहार. सर्वप्रथम बोधिवृक्ष (वर्तमान मे 4वी पीढ़ी का वृक्ष) के चारो तरफ अशोक द्वारा निर्मित किया गया था। गुप्तकाल मे यहाँ पुनः मंदिर बनाया गया।

4. हम्पी के स्मारक

(i) विरूपाक्ष मंदिर, विष्णु
(ii) हजारा मंदिर
(iii) विट्ठल स्वामी
(iv) पम्पापति मंदिर

ध्येयIAS®
most trusted since 2003

प्रश्न संख्या
Question No.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Dont write anything
in this margin)

6. पटटकल के स्मारक (कर्नाटक)

यह चालुक्यो एवं राष्ट्रकूटो द्वारा अनेक मंदिर बनवाये गए।
जैसे- पापनाथ मंदिर
विरूपाक्ष मंदिर
माल्लिकार्जुन मंदिर
जैन · नारायण मंदिर

7. सांची के बौद्ध स्मारक (M.P.)

यहा तीन स्तूप है।

(a) महास्तूप या संख्या-1 इसे अशोक द्वारा निर्मित कराया गया शुंग के काल मे मूल स्तूप को और बड़ा बनाया गया।
[बौद्ध कभी सांची नही गये थे]

(b) स्तूप संख्या II यह 10 बौद्ध भिक्षुओ जो अलग - 2 काल के थे कियाद मे बनाया गया।

(c) स्तूप संख्या III बुद्ध के शिष्य सारिय पुत्र की स्मृति मे बना है।

Note सांची पहाड़ी पर अशोक द्वारा निर्मित एक स्तंभ भी है जो सारनाथ के स्तम्भ जैसा है।

8. चम्पानेर - पावागढ़ पुरातात्विक स्थल, गुजरात

यह ताम्रपाषाण से लेकर 16वी सदी तक की पुरातात्विक संरचनाऐ पायी जाती है। यहां के मुख्य स्मारक कालिका माता मंदिर तथा उज्जैन मंदिर है।

9. गोवा के चर्च

16वीं - 18वीं सदी में पुर्तगालियो द्वारा निर्मित मुख्य भवन

(a) वेसिलिका वोम जीजस

(b) सेंट फ्रांसिस जेवियर का मकबरा

10. खजुराहो के मंदिर

चंदेल तथा कच्छवाहा राजपूतों द्वारा निर्मित यहाँ लगभग 70 मंदिर है जो मुख्यत: दो धर्मों (i) जैन धर्म (ii) हिंदू धर्म से सम्बंधित है।

11. भीमबेटिका गुफाएँ

यह MP मे स्थित है यहां लगभग 500 प्राकृतिक गुफाएं है। जिसमे 300+ गुफा चित्रकारी प्राप्त हुयी है इसके लिए चित्र उच्च पुरापाषाण काल से लेकर ताम्र पाषाण काल खण्ड से सम्बंधित है।

12. अजन्ता की गुफाए (Rock Cut) (औरंगाबाद / महाराष्ट्र)

कलाओं का संगम → स्थापत्य कला – चैत्य, विहार
→ मूर्तिकला – बुद्ध
→ चित्रकला

केवल बौद्धधर्म से संबंधित कुल 29 गुफाए – Hinyan Mahayan

(यहाँ सातवाहन काल → चालुक्य काल तक विकास के प्रमाण मिलते है।)

13. एलोरा की गुफाएँ (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)

यह तीनो धर्मों बौद्ध + जैन + हिंदू से सम्बंधित

यह भी कला का संगम है। → स्थापत्य
→ मूर्तिकला
→ चित्रकला

यहां की सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ठ संरचना कैलाशनाथ मंदिर है। जिसे राष्ट्रकूट शासक कृष्णा - I ने बनवाया था।

14. एलीफेंटा गुफायें (बम्बई के पास)

- यह बौद्ध एवं हिंदू धर्म से सम्बन्धित है।
- त्रिमूर्ति की प्रतिमा के लिए विख्यात है।
  - शिव के तीन रूप → उमा, → महेश्वर, → योगी

15. कोणार्क का सूर्य मंदिर (उड़ीसा)

गंगवंशीय शासकों द्वारा निर्मित करवाया गया था [नरसिंहदेव]
सूर्य के रथ के अनुकरण मे बना है
नगर शैली लेकिन शिखर द्रविड़ जैसा दिखायी देता है।

16. चोल मंदिर (तमिलनाडू)

इसके तहत कई मंदिर आते है - जिसमे प्रमुख है। -

(i) वृहदेश्वर मंदिर (राजराजेश्वर मंदिर). तंजौर
  - चोल शासक राजराज प्रथम द्वारा निर्मित
  - इसमे 13 तल्ले है। 190 फीट उचाई है।
  - मूर्तिकला स्थापत्य कला तथा चित्रकला तीनों (ASP) का संगम

(ii) गंगईकोण्डाचोलपुरम - राजेन्द्र प्रथम द्वारा निर्मित

(iii) ऐरावतेश्वर मंदिर - दारासुरम् . तमिलनाडू
राजराज II द्वारा निर्मित

17. महाबलीपुरम् के स्मारक

- यह पल्लवो की द्वितीय राजधानी था
  - मुख्य संरचनाए → Rock cut मण्डप, रथ
  - → structural शोरमंदिर (शिव)
- यह भी स्थापत्य A + मूर्तिकला S + चित्रकला का संगम है।

18. जंतर-मंतर, जयपुर

इसे जयपुर (आमेर) के शासक सवाई जयसिंह III द्वारा बनवाया गया था। यह खगोलीय प्रेक्षणशाला है जयसिंह द्वारा बनवाये गए 4 अन्य जन्तर-मन्तर भी है। (i) दिल्ली (ii) मथुरा (iii) बनारस (iv) उज्जैन

19. शिवाजी छत्रपति टर्मिनल, मुम्बई

पूर्व मे इसे विक्टोरिया टर्मिनल कहा जाता था इसका निर्माण फ्रेडरिक विलियम स्टीवेन द्वारा 1887 मे कराया गया था यह मध्य रेलवे का मुख्यालय है।

20. आगरा का किला

अकबर द्वारा निर्मित, मूल किला तथा उसके अन्दर की दो संरचनाएं अकबरी महल तथा जहांगीरी महल अकबर द्वारा बनवाया गया है। जबकि अन्य संरचनाएं जैसे दिवान-ए-आम दिवान-ए-खास, मोती मस्जिद, नगीना मस्जिद मुसम्मन बुर्ज आदि शाहजहां द्वारा बनवाया गया है।

21. फतेहपुर सीकरी

अकबर द्वारा 1571-73 के बीच निर्मित कराया गया यह उसकी राजधानी थी। यह कई भवन है। जिसमें धार्मिक तथा गैरधार्मिक दोनो है।
जामा मस्जिद, सलीम चिश्ती का मकबरा (सफेद पत्थर)

Note राल्फ फिच ने फतेहपुरसीकरी को अपने समय में लंदन से भी बड़ा शहर बतलाया।

22. ताजमहल

शाहजहाँ द्वारा निर्मित, मुख्य वास्तुकार - अहमद लाहौरी उस्ताद ईसा,
यह भारतीय, मध्य एशियाई व फारसी तीनो शैलियो से बना है।
दोहरे गुम्बद का प्रयोग है। चार मीनारे है।
पिइराडयूरा तथा चारबाग शैली द्वारा सजाया गया है।

23. पर्वतीय रेलवे

तीन पर्वतीय रेलवे सूची मे है (UNESCO)

(i) दार्जिलिंग - रेलवे (W.B.)
(ii) नीलगिरी - रेलवे (Kerala, T.N. Karnataka)
(iii) कालका शिमला रेलवे

24. राजस्थान के किले

राजस्थान के कई किलों को सूची मे स्थान दिया गया है।

(i) चित्तौड़गढ़
(ii) कुम्भलगढ़
(iii) रणथम्भोर
(iv) अम्बेर
(v) जैसलमेर
(vi) गागरौन

} इन का किलो मे कई महल हिंदू मंदिर तथा जैन मंदिर है।

25. रानी की बाव, गुजरात

यह सीढ़ीदार कुआं पाटन, गुजरात मे स्थित है।
इसे चालुक्य सोलंकी शासक भीमप्रथम की याद मे उसकी रानी उदयमती द्वारा बनवाया गया है।
Note यह स्थापत्य कला + मूर्तिकला दोनो का बेहतर उदाहरण है। कुए की सीढ़ियों तथा स्तम्भों पर हिंदू देवी-देवताओं की अनेक मूर्ति उत्कीर्ण है।

26. नालंदा विश्व विद्यालय /महाविहार

इसे कुमार गुप्त प्रथम (शंकादित्य) द्वारा बनवाया गया था। इस विश्वविद्यालय के परिसर में स्तूप मठ, विहार तथा अनेक शैक्षिक इमारते बनी थी।

- बख्तियार खिलजी (मो० गोरी के सेनापति) ने इसे नष्ट कर दिया था।

27. ली कार्बूजियर

फ्रांसीसी वास्तुकार कार्बूजियर द्वारा निर्मित चण्डीगढ़ यहाँ कुल 17 भवन है जो वास्तुकला के अनोखे उदाहरण है।

अमूर्त विरासत की सूची

2016 → योग (हिंदू + बौद्ध + जैन + सूफी) सभी परम्पराओं से संबन्धित है।
→ नवरोज (पारसी त्यौहार)
नये साल का प्रतीक इसमें अग्नि एवं सूर्य की पूजा की जाती है।

2014 - पंजाब के पारम्परिक पीतल + तांबे के शिल्प का ज्ञान

2013 - संकीर्तन North East मे विशेष लोकप्रिय

2012 - लद्दाख के बौद्ध मंत्रोचार

2010 - छाऊ नृत्य (NE)
कालबेलिया (Rajsthan)
मुदीयेट्टू (केरल) नृत्य नाटक

2009 - रम्मन → धार्मिक नाटक त्यौहार
→ गढ़वाल (U.K)

2008 - रामलीला
वैदिक मंत्र
कुट्टीयट्टम - केरल नृत्य नाटक

Dhyeya IAS Now on Telegram

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.in

ध्येयIAS most trusted since 2003

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter (ध्येय IAS ई-मेल न्यूजलेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

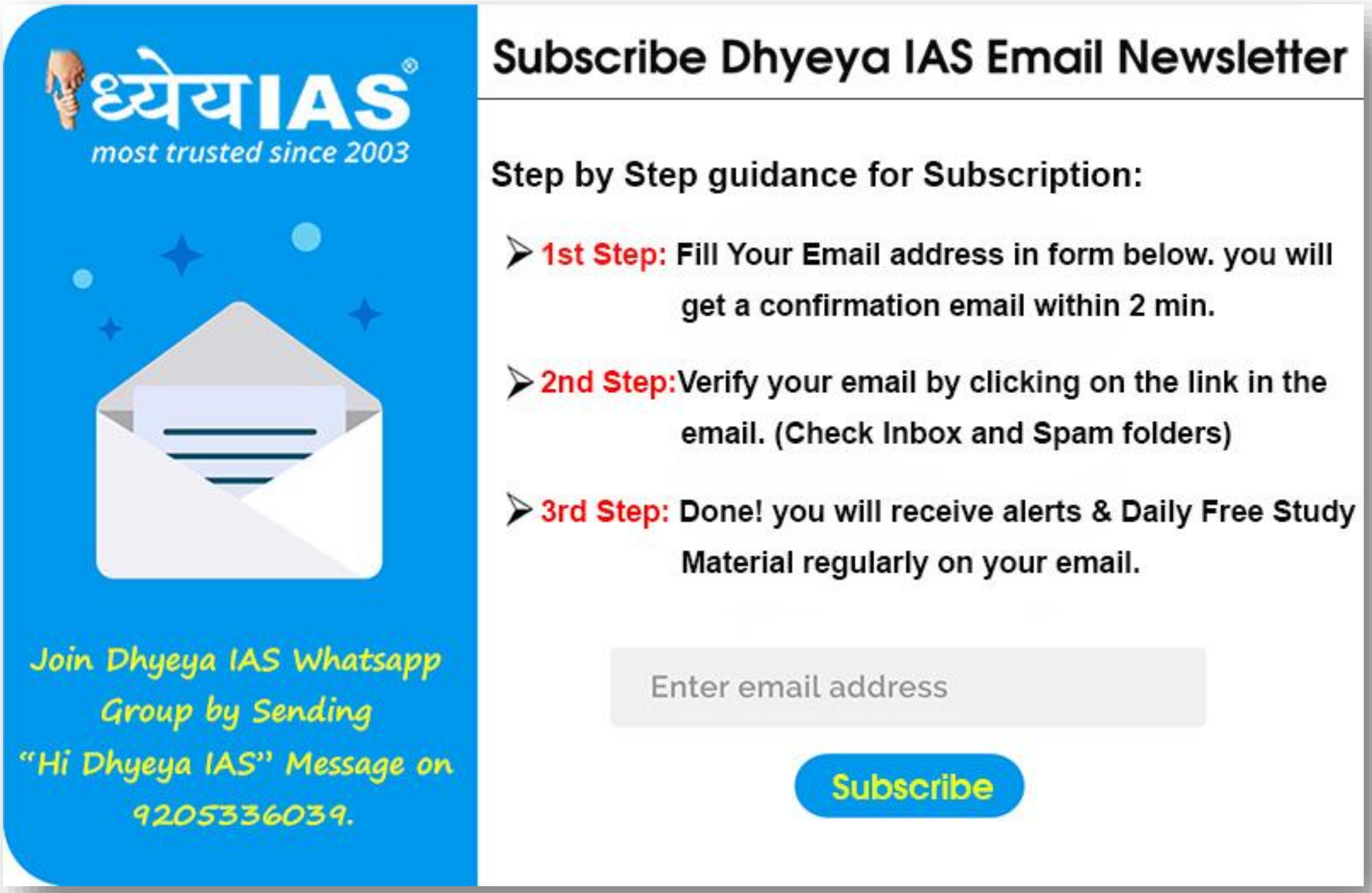

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

ध्येय IAS अब व्हाट्सएप पर
Dhyeya IAS Now on Whatsapp

ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप से जुडने के लिए 9355174442 पर "Hi Dhyeya IAS" लिख कर मैसेज करें

नोट: अगर आपने हमारा Whatsapp नंबर अपने Contact List में Save नहीं किया तो आपको प्रीतिदिन के मैटेरियल की लिंक प्राप्त नहीं होंगी इसलिए नंबर को Save जरूर करें।

आप हमारी वेबसाइट के माध्यम से भी जुड सकते हैं

www.dhyeyaias.com
www.dhyeyaias.in

most trusted since 2003

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400